पूर्वोत्तर सीमा रेल
(निर्माण संगठन)

प्रेस विज्ञप्ति
मालीगांव: 29 अप्रैल, 2019

पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण संगठन) में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक (निर्माण), पूर्वोत्तर सीमा रेल, मालीगांव की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 29 अप्रैल, 2019 को संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि. 1, 2, 3, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि., प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक/निर्माण, एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक का शुभारंभ श्री बी. एन. भास्कर, मुख्य इंजीनियर/नि.-1 एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी (नि.) ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए किया।

श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक (निर्माण) एवं अध्यक्ष, क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3), मूल पत्राचार, हिंदी डिक्टेशन, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन में सराहनीय कार्य करने वाले विभागों को बधाई देते हुए कहा कि 1 अप्रैल, 2019 से चालू नये वित्त वर्ष के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित लक्ष्य हिंदी में कामकाज को बढ़ाने के लिए सभी विभागों को अपने स्तर पर उचित कार्रवाई करनी होगी। अध्यक्ष महोदय ने आगे कहा कि भारत की विविधताओं को एक सूत्र में पिरोये रखने में यदि किसी एक कारक ने सर्वाधिक योगदान किया है तो वह है हिंदी।हिंदी सांस्कृतिक धरोहर, राष्ट्रीय एकता और सामासिक सद्भाव की संवाहिका है। हिंदी की भाषागत विशेषता भी यह है कि उसे सीखना और व्यवहार में लाना अन्य भाषाओं की अपेक्षा ज्यादा सुविधाजनक और आसान है। कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि सूचना क्रांति के इस युग में हम राजभाषा के प्रयोग को ज्यादा से ज्यादा विस्तारित कर सकें। हिंदी में कठिन और कम सुने जाने वाले शब्दों के इस्तेमाल से हिंदी को अपनाने में हिचकिचाहट बढ़ती है। शालीनता और मर्यादा का ध्यान रखते हुए भाषा को सुबोध और सुगम बनाना आज के समय की मांग है। यदि कोई शब्द कठिन लगे तो उन्हें सीखें, अभ्यास में लाएं और उनसे परिचय बढ़ाएं।

इस मौके पर प्रत्येक बैठक की भांति इस बैठक में भी "राजभाषा प्रदर्शनी" लगाई गई थी जिसमें कार्मिक, उप मुख्य इंजी/नि/सामान्य-1 एवं उप मुख्य इंजी/नि/वर्क्स विभाग के फाइलों को शामिल किया गया था जिसकी महाप्रबंधक महोदय ने काफी सराहना की।

बैठक में फाइलों एवं रजिस्टरों की प्रदर्शनी में कार्मिक विभाग का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। उक्त प्रदर्शन के लिए श्रीमती मिलि चक्रवर्ती, कार्यालय अधीक्षक का पुरस्कार हेतु चयन किया गया। महाप्रबंधक महोदय ने सुझाव दिया कि राजभाषा के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने के लिए किसी एक अधिकारी को ऊर्जा संरक्षण जैसे विषय पर हिंदी में प्रस्तुतीकरण के लिए अनुरोध किया जाए। महोदय ने निर्माण संगठन परिसर में ही किसी विशेष मौके पर ''हिंदी नाटक का मंचन'' कराने का सुझाव दिया है और साथ ही हिंदी में पत्राचार को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक हिंदी टेंपलेट तैयार कर विभागों में वितरित किया जाए।

इस बैठक में महाप्रबंधक (निर्माण) महोदय के कर-कमलों से त्रैमासिक संवाद-पत्र के 50वें अंक का विमोचन किया गया। इस मौके पर हिंदी में सराहनीय कार्य करने के लिए श्री गजिन चन्द्र दास, मुख्य कार्यालय अधीक्षक को महाप्रबंधक महोदय ने पुरस्कार से सम्मानित किया।

इस बैठक में श्री एस. जे. मंडल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण ने विभागों की उपलब्धियों पर पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण किया और श्री राजेश रंजन कुमार, राजभाषा अधिकारी/निर्माण ने बैठक का संचालन किया साथ ही कविता पाठ प्रस्तुत किया और धन्यवाद ज्ञापन किया।

(एस. के. ओझा)
वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी/निर्माण
पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन, मालीगांव

फोटो परिचय:* 50*वें त्रैमासिक "संवाद पत्र" का विमोचन करते हुए श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक (निर्माण) एवं अन्य अधिकारीगण